डिजीटल पत्र

कांग्रेस दर्पण

दैनिक

पटना, 31 मई, बुधवार, 2023

बिहार प्रदेश कांग्रेस सेवादल सदाकत आश्रम पटना – 10

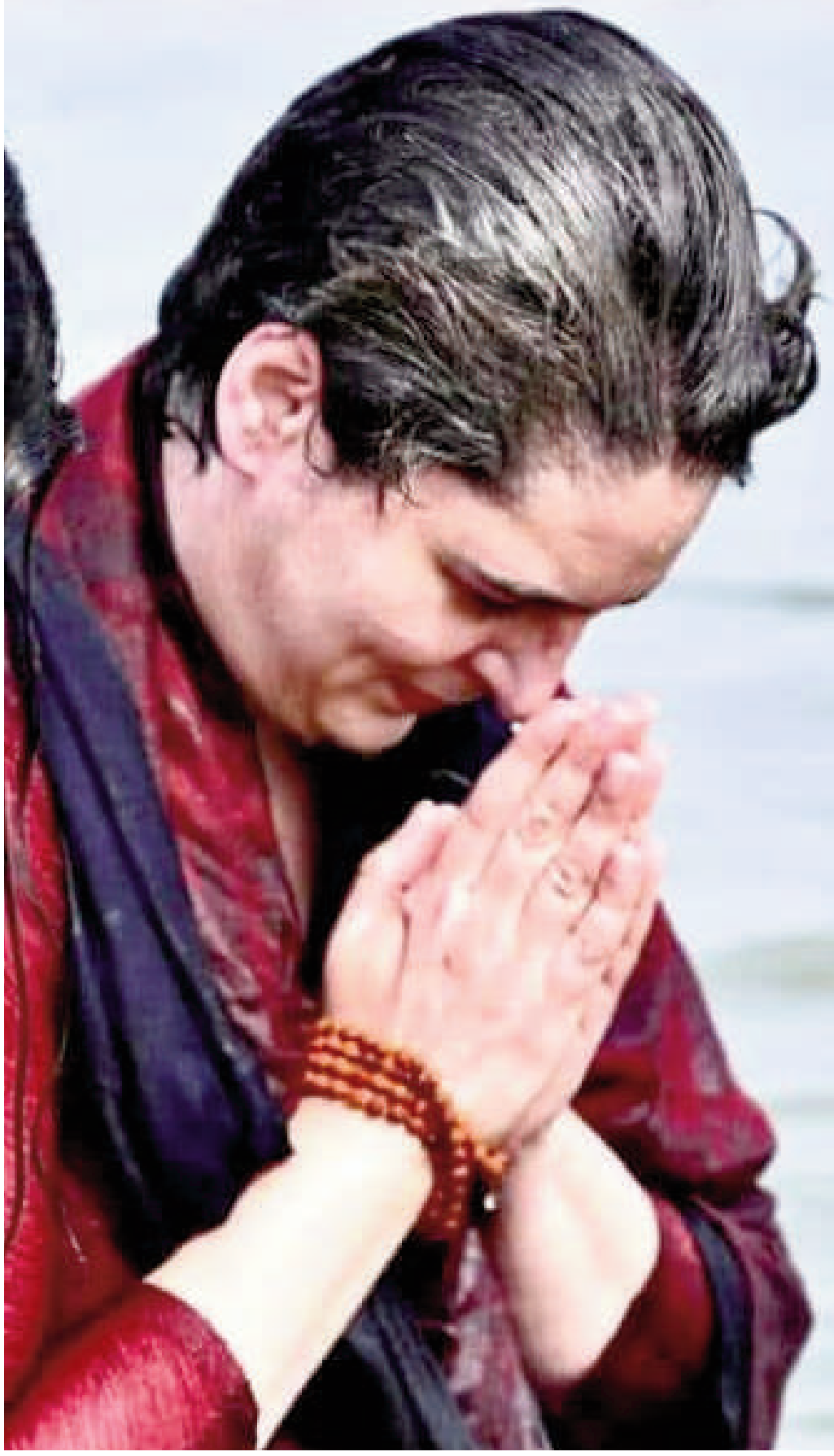

मां गंगा के अवतरण के पावन पर्व गंगा दशहरा की हार्दिक शुभकामनाएं

जीवनदायिनी मां गंगा के आशीर्वाद से आप सभी की के जीवन में सुख, शांति व समृद्धि का वास हो।

भारतीय रेल किराया में वरिष्ठ नागरिकों , खिलाड़ियों को वर्षों से मिलते आ रही रियायत को फिर से शुरूकिया जाय:कांग्रेस

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

कोविड 19 महामारी के प्रसार को रोकने के नाम पर 20 मार्च 2020 यानी तीन वर्षो से ज्यादा से रेल किराया में वरिष्ठ नागरिकों, खिलाड़ियों, एवम् अन्य लोगो को मिलने वाली रियात को मोदी सरकार द्वारा बंद कर दिया गया है, जिससे गरीब एवम् मध्यवर्गीय परिवार के वरिष्ठ नागरिकों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

आज कांग्रेस पार्टी के नेता, कार्यकर्ता महामहिम राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय रेल मंत्री, अध्यक्ष रेलवे बोर्ड को इस संबंध में ज्ञापन भेज कर देश के वरिष्ठ नागरिकों, खिलाड़ियों, पत्रकारों, छात्रों आदि को रेलवे किराया में वर्षो से मिलते आ रही रीयात को अविलंब शुरू करने की मांग की है।

मांग करने वाले बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रतिनिधि सह क्षेत्रीय प्रवक्ता प्रो विजय कुमार मिठू, पूर्व विधायक मो खान अली, जिला उपाध्यक्ष राम प्रमोद सिंह, बाबूलाल प्रसाद सिंह, प्रद्युमन दुबे, टिंकू गिरी, शिव कुमार चौरसिया, उदय शंकर पालित, दामोदर गोस्वामी, मो समद, असरफ इमाम, सुरेंद्र मांझी, विनोद उपाध्याय, सुजीत कुमार गुप्ता, राजेश अग्रवाल, राहुल चंद्रवंशी धरनाई, रूपेश चौधरी, अशोक राम, आदि ने कहा कि 2020 से पहले रेलवे वरिष्ठ नागरिक के मामले में सभी श्रेणियों में यात्रा करने पर महिलाओं को 50% एवम् पुरुषो को 40% की छूट देता था, जिसे कोरोना के समय आपदा को अवसर बना कर बंद करने से देश के बुजुर्गो मोदी सरकार से अपने को ठगा महसूस कर रहे हैं।

नेताओ ने कहा की इस मामले में संसद से सड़क तक मांग करने के बाद सरकार द्वारा गठित संसदीय समिति का भी रिपोर्ट आने के बाद भी इसे शुरू करने में विलंब किया जा रहा है, जबकि उस रिपोर्ट में वरिष्ठ नागरिकों की उम्र सीमा भी 60 से बढ़ा कर 70 किया जा रहा है, रियायत लेने का भी ऑप्शन का भी कॉलम बनाया गया है, यानी जिन्हे रियायत की नितांत आवश्यकता हो वही ले सकते है आदि कई नई बाते रिपोर्ट में शामिल है।

नेताओ ने कहा की मोदी सरकार के नौ वर्षो में रेलवे किराया में मिलने वाली रियायत, घरेलू गैस में मिलने वाली सब्सिडी, सहित अन्य कई सुविधाओ को समाप्त करने का ही सौगात मिली है।

भवदीय
विजय कुमार मिठू

मीडिया, साहित्य और लोकतंत्र विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

मधेपुरा कॉलेज, मधेपुरा के तत्वावधान में मंगलवार को मीडिया, साहित्य और लोकतंत्र विषयक अंतरानुशासनिक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन करते हुए बी. एन. मंडल विश्वविद्यालय, मधेपुरा के कुलपति प्रोफेसर डॉ. आर. के. पी. रमण ने कहा कि मीडिया, साहित्य एवं लोकतंत्र तीनों एक–दूसरे से जुड़े हैं। तीनों का मुख्य उद्देश्य आम लोगों का हित है। इसके लिए हमें आम जन की समस्याओं के प्रति संवेदनशील होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आज समाज में संवेदनहीनता की स्थिति है। लोग दूसरों का दुख देखकर आनंद लेते हैं। हमें इस स्थिति को बदलने की जरूरत है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्रीकृष्ण विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अशोक कुमार ने कहा कि मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ है। इसके बिना लोकतंत्र की रक्षा संभव नहीं है। जेएनयू, दिल्ली के हिंदी प्राध्यापक डॉ. देवशंकर नवीन[] ने कहा कि आज मीडिया, साहित्य एवं लोकतंत्र तीनों पर सत्ता एवं पूंजी का कब्जा है। नई धारा के संपादक प्रो. शिवनारायण ने कहा कि मीडिया, साहित्य एवं लोकतंत्र तीनों का उद्देश्य समाज में स्वतंत्रता, समता एवं न्याय की स्थापना करना है।

मुख्य वक्ता बीएनएमयू के अध्यक्ष, छात्र कल्याण प्रो. राजकुमार सिंह ने कहा कि दुनिया में काफी जद्दोजहद के बाद लोकतंत्र आया है। यह दुनिया की सबसे अच्छी शासन व्यवस्था मानी जाती है। कुलानुशासक डॉ. बी. एन. विवेका ने कहा कि मीडिया में असामान्य बातों को जगह दी जाती है। इसके पूर्व अतिथियों का स्वागत हिन्दी विभाग पीजी सेंटर, सहरसा के डॉ. सिद्धेश्वर काश्यप ने किया। अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। अतिथियों को अंगवस्त्रम्, पाग, माला एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता मधेपुरा मधेपुरा कॉलेज की प्रधानाचार्य डॉ. पूनम यादव ने की। संचालन असिस्टेंट प्रोफेसर मनोज कुमार ने किया। दूसरे सत्र में मानविकी संकायाध्यक्ष प्रो. विनय कुमार चौधरी ने कहा कि साहित्य केवल समाज का दर्पण नहीं है, बल्कि उसे नई दिशा भी देता है। यह सिर्फ यथार्थ का ही चित्रण नहीं करता है, बल्कि आदर्श की स्थापना का संदेश भी देता है। इस अवसर पर मगध विश्वविद्यालय, बोधगया के डॉ. सुनील कुमार, उपकुलकचिव (स्थापना) डॉ. सुधांशु शेखर, डॉ. सिद्धेश्वर काश्यप, डॉ. सोनम सिंह, डॉ. विजय यादव ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस सत्र की अध्यक्षता डॉ. अशोक कुमार ने की। संचालन असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. जैनेन्द्र ने किया। इस अवसर पर यूभीके कालेज, कडामा के प्रधानाचार्य डॉ. माधवेन्द्र झा, आईक्यूएसी समन्वयक सच्चिदानंद सचिव, मनोज भटनागर, कर्नल गौतम कुमार, मनोज भटनागर, डॉ. कुमार विज्ञानानंद सिंह, बृजेश कुमार मंडल, भीम कुमार, डॉ. कामेश्वर यादव, दिनेश प्रसाद, डॉ. विवेक विवेक, चंदेसरी मेहता, चंदेश्वरी यादव डॉ. शंकर आर्य, अभय कुमार, गजेंद्र नारायण यादव, विनय कुमार झा, चंद्रमणि कुमार गुप्ता, रूपम कुमारी, डॉ. रूपा कुमारी, किरण, बंदना बिंदु, डॉ. विजय कुमार, विजेंद्र मेहता, पबृजेश कुमार, सती आजाद, संदीप कुमार, स्मृति कुमारी, सहायक तरुण कुमार, कमल किशोर योगेंद्र यादव, शोधार्थी सारंग तनय आदि उपस्थित थे।

ऐसा किसने सोचा था?

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण\

पटना। एक तरफ अहंकारी राजा का राजतिलक होगा, दूसरी तरफ देश की होनहार बेटियों को बूटों से रौंदा जाएगा। यौन शोषण का आरोपी संसद में बैठा होगा और पीड़ित बेटियों को सड़कों पर बाल पकड़कर घसीटा जाएगा। नई संसद के उद्घाटन के साथ ही मोदी सरकार ने लोकतंत्र को निरंकुशतंत्र में बदलने की कोशिशों को भी तेज कर दिया। नतीजतन, जंतर–मंतर से पहलवानों के टेंट–तंबू को उखाड़ फेंका गया। जिस समय यह बर्बरता हुई, ठीक उसी समय आत्ममुग्ध राजा वहां से करीब डेढ़ किलोमीटर दूर संसद भवन में देश के गौरवमयी लोकतांत्रिक परंपरा को मिटाने की कोशिश कर रहा था।

सत्ता के नशे में मगरूर यह वही राजा है, जिसने महिला पहलवानों से वादा किया था कि वह उन्हें निराश नहीं देख सकता। यहां तक की इन पहलवानों को अपने परिवार का सदस्य बताया था। किसने सोचा था कि 'अच्छे दिनों' का सपना दिखाकर देश के नौजवानों, किसानों, बेटियों, छात्रों, बुजुर्गों और छोटे व्यवसायियों के सपनों को चकनाचूर कर दिया जाएगा। महंगाई और भ्रष्टाचार को खत्म करने की बात करने वाला तानाशाह पूरे देश को महंगाई और भ्रष्टाचार के नर्क में धकेल देगा। अपनी वाजिब मांग को लेकर धरने पर बैठे–बैठे देश के 700 से अधिक अन्नदाताओं ने अपनी जान गंवा दी, मगर अहंकारी राजा को कोई फर्क ही नहीं पड़ा। उन्नाव से लेकर कठुआ तक तमाम बेटियों को भाजपापोषित भेड़ियो ने शिकार बनाया, सरकार दोषियों पर कार्रवाई करने की जगह पीड़ितों को ठिकाने लगाने लगी। जिन नौजवानों को रोजगार देने का वादा किया गया, उनके सपनों को सरकार ने बेरहमी से कुचला। हक मांगने वाले नौजवानों पर लाठियां बरसाई गई, उनको जेल की सलाखों में ठूंसा गया। चीन को लाल आंख दिखाने की बात करने वाले प्रधानमंत्री देश के जवानों की शहादत का अपमान करते हुए चीन को लाल शर्ट दिखाते हुए स्वागत करते हैं। देश की सुरक्षा सशक्त करने के दौर में अग्निवीर जैसी योजना लांच करते हैं। किसने सोचा था कि 'देश नहीं बिकने दूंगा' का नारा लगाने वाला देश की संपत्तियों को अपने मित्रों के नाम नीलाम कर देगा। 'देश नहीं मिटने दूंगा' का नारा देने वाला देश के गौरव को मिटाने के लिए पूरी ताकत लगा देगा। किसने सोचा था कि 'अच्छे दिनों' का सपना दिखाकर एक शहंशाह जनता के 'सच्चे दिनों' को छीन लेगा

इस देश में हमारा कुछ नहीं बचा

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

गंगा के घाट पर अपने मेडल बहाने के लिए बैठी हिंदुस्तान की सबसे होनहार बेटियाँ – आँखों में आँसू और टूटे सपने लिए – वो इस देश की मृत आत्मा से कह रही हैं इस देश में हमारा कुछ नहीं बचा

एक मुर्दा समाज, सड़ा हुआ तंत्र और बेहया सरकार – ने आज इस देश की लड़कियों के साथ वो गुनाह किया है जिसको इतिहास कभी माफ़ नहीं करेगा.

आने वाला वक़्त अपराध और पाप की इस सियाह कहानी के बारे में यह ज़रूर पूछेगा – कि जब देश की बेटियों के ऊपर यह अत्याचार हो रहा था तब आपने क्या किया? क्या कहा? क्यों चुप रहे? क्योंकि जो आज चुप हैं वो ज़िंदा लाशें हैं.

इस देश के लिए गौरव और मान जीतने वाली बेटियाँ जो बड़े बड़ों को चारों खाने चित्त कर देती हैं – वो प्रधानमंत्री की चुप्पी और अपराधी के संरक्षण के आगे हार गयीं, सरकार की असंवेदनशीलता ने उनका हौसला तोड़ दिया, न्याय की उनकी आशा को धराशायी कर दिया.

जिन बेटियों को ढट मोदी अपने घर की बुलाते थे – उनकी पुलिस ने उन्हीं बेटियों को मुजरिम बना कर केस दर्ज किया – वो पूरे दिन पहले पिटती रहीं, सड़कों पर घसीटी जाती रहीं, बूटों के नीचे रौंदी जाती रहीं – उनका समान तहस नहस कर

दिया, पीड़ित बेटियाँ पुलिस से छिपती छुपाती रहीं.

और उनका आरोपी नई सदन में फोटो खिंचाता रहा – मानो उनके घाव को कुरेद कर कह रहा हो ₹देखी मेरी ताक़त, ढट का ख़ास हूँ, कोई छू नहीं सकता. बिलबिलाती रहो तुम लोग. तो अब इन बेटियों ने यह निर्णय लिया है कि वह अपना मेडल गंगा में बहा देंगी. वही गंगा जो हर पुण्य और पाप को अपने में समा लेती है – पुण्य इन बेटियों का, पाप बलात्कारी का और अन्याय मोदी सरकार का. लेकिन अति सर्वत्र वर्जयते – इतिहास और धर्म साक्षी है कि जब जब एक औरत को अपमानित किया जाएगा तब तब क़ीमत चुकानी पड़ी है. महाभारत में द्रौपदी को घसीटने की क़ीमत ना सिर्फ़ आँख पर पट्टी बांधे हुए राजा ने बल्कि उस सदी ने चुकायी थी. आज भी महिला की अस्मिता का मुद्दा है – आज भी आरोपी को संरक्षण है – आज भी राजा ने आँखों पर पट्टी बांधी हुई है और आज भी बेटियों को सड़कों पर रौंदा गया है. अंततोगत्वा तो न्याय होगा – यह प्रकृति का नियम है – लेकिन आज भक्ति में लिप्त हो कर कुछ लोग इन बेटियों को ही भला बुरा कह रहे हैं, इनके सम्मान, इनकी वतनपरस्ती पर सवाल उठा रहे हैं – साथी खिलाड़ी, बड़े नाम वाले लोग और मीडिया ने मौन धारण किया हुआ है. याद रखना आज इन खिलाड़ियों के साथ हो रहे अत्याचार और इनकी बेबसी पर चुप रहने वालों जो तटस्थ हैं समय लिखेगा उनके भी अपराध **दुखद बहुत दुखद**

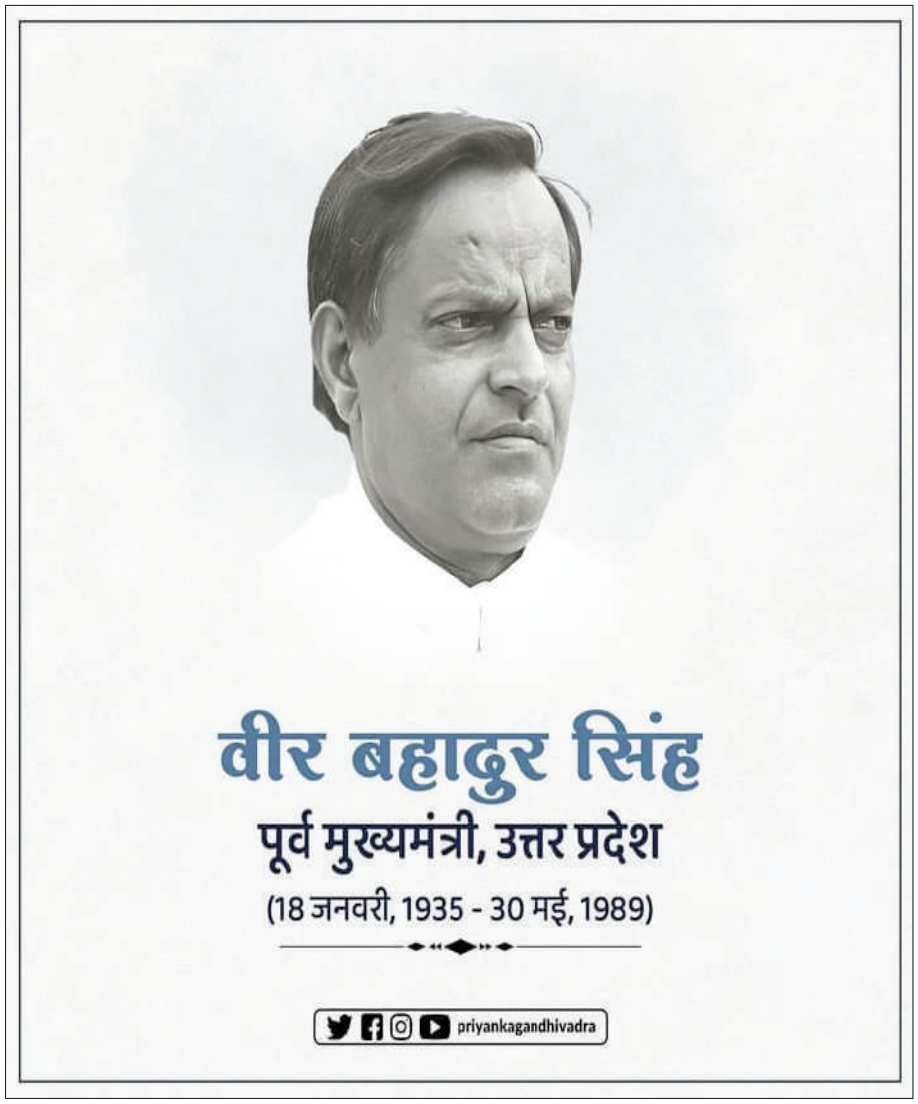

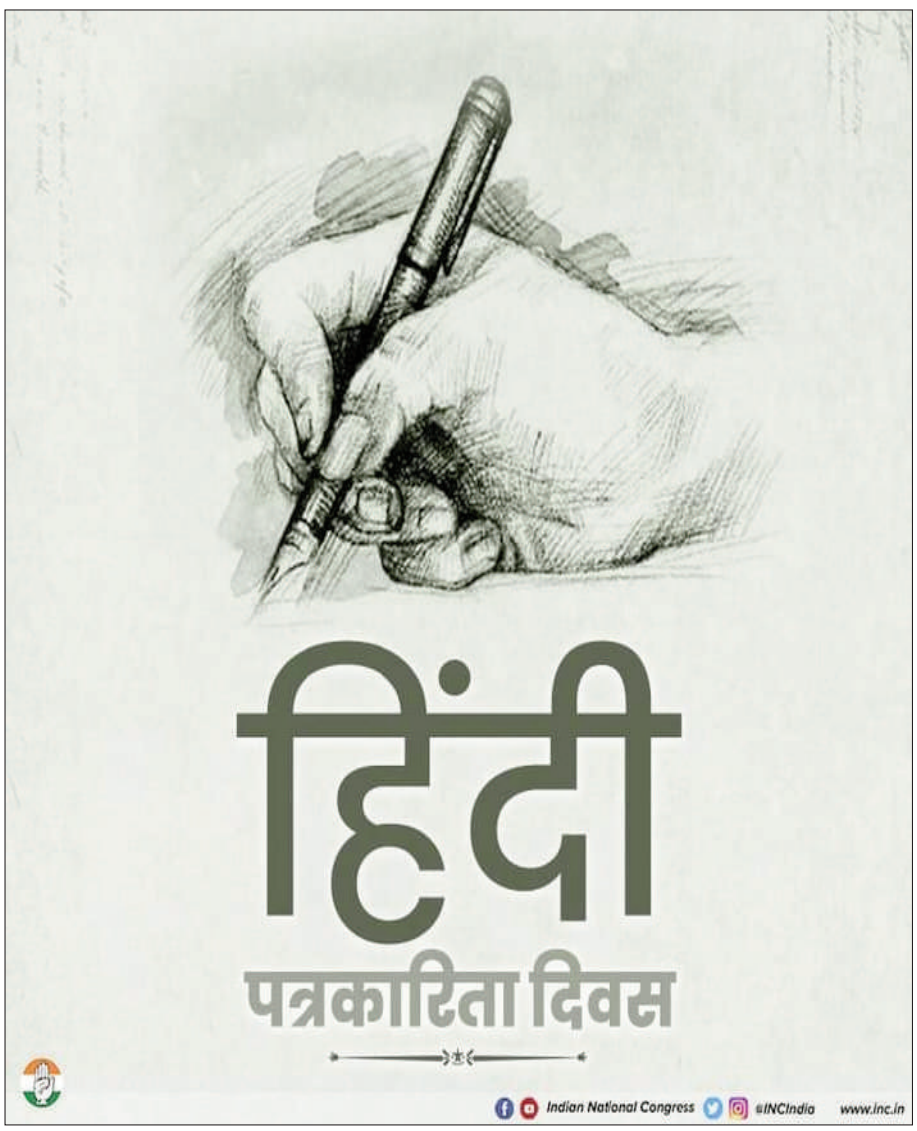

31 मई को प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष करण माहरा होंगे जिला मुख्यालय नई टिहरी में

संवाददाता ।कांग्रेस दर्पण

31 मई को उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष करण माहरा टिहरी और उत्तरकाशी जनपद के भ्रमण पर है जिला कांग्रेस कमेटी टिहरी गढ़वाल के अध्यक्ष राकेश राणा ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री करण माहरा जी दो दिवसीय भ्रमण पर टिहरी और उत्तरकाशी जनपद मुख्यालय में पहुंच रहे हैं। 31 मई प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष करण मेहरा जीउत्तरकाशी के चिन्यालीसौड़ से भलड़ियाना होते हुए जिला मुख्यालय नई टिहरी के बौराड़ी सामुदायिक मिलन केंद्र पर जिला कांग्रेस कमेटी की विस्तारित बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग करेंगे उनके साथ में प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष प्रताप नगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री विक्रम सिंह नेगी जी विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राकेश राणा ने जनपद के सभी वरिष्ठ कांग्रेस जनों , पूर्व माननीय मंत्री ,पूर्व जिला पंचायत के अध्यक्ष पूर्व विधायक प्रदेश कांग्रेस के सदस्य गण पूर्व / वर्तमान ब्लाक प्रमुख, जिला पंचायत के माननीय सदस्यगण सभी फ्रंटल संगठनों के पदाधिकारीयों ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष गणों से उपरोक्त बैठक में शामिल होने को कहा है। उन्होंने कहा बैठक में जनपद और प्रदेश के वर्तमान राजनीतिक परिवेश के साथ–साथ पार्टी संगठन की रीति और नीतियों के साथ उदयपुर संकल्प को क्रियान्वित करते हुए राज्य सरकार की जनविरोधी नीतियों महंगाई बेरोजगारी और आने वाले स्थानीय निकाय ,लोकसभा ,पंचायतों के चुनाव पर विस्तृत रूप से विचार विमर्श किया जाएगा।

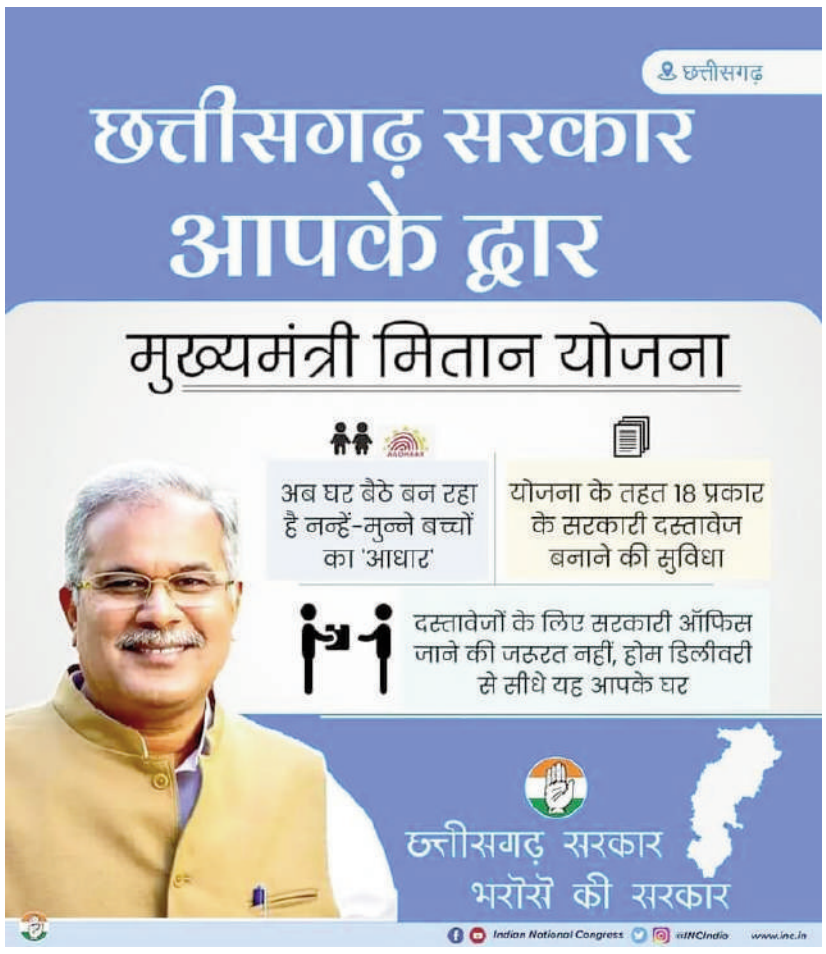

मोदी सरकार के 9 साल: साल दर साल गहराता गया रोजी रोटी का संकट

संवाददाता । मोहिउद्दीन खान

देश को मोदी जी ने एक सपना दिखाया था लेकिन पिछले नौ वर्षों में यह सपना केवल चकनाचूर ही नहीं हुआ बल्कि देश की जनता का सामना एक फासीवादी विचार की सरकार से हुआ है।

आज चाहे देश में कोई भी इसे गंभीरता से न लेता हो, चाहे यह अपना (कटाक्ष करने के लिए भी) यथार्थ खो चुका हो लेकिन 2014 के आम चुनाव में नरेंद्र मोदी और भाजपा की कामयाबी में दो करोड़ रोजगार देने के प्रतिवर्ष के नारे (जो अब जुमला हो गया है) का बहुत महत्वपूर्ण योगदान रहा है। एक ऐसा माहौल बना था देश में कि सब नौजवानों सहित उनके परिवारों में आशा की एक किरण जगी थी।

अगर हम याद करें तो मोदी के चुनाव अभियान में युवा और उनका रोजगार केंद्र में था। दूसरा मुख्य नारा था विदेशी धन और किसानों की स्थिति। दरअसल भाजपा ने सही चिन्हित कर लिया था कि भारत नौजवानों का देश है। पुराने मतदाताओं को लुभाने से ज्यादा महत्वपूर्ण होता है नए मतदाताओं को आकर्षित करना। तो मोदी जी बन गए नौजवानो के नेता और उनकी आशाओं को जोड़ लिया अपने अभियान के साथ। लेकिन पिछले नौ वर्षो में नौजवान न केवल भाजपा के एजेंडे से हाशिये पर गए है बल्कि भाजपा अपने चुनावी वादे से न केवल पलटी है बल्कि नौजवानों के भविष्य के खिलाफ एक जंग छेड़ रखी है। अब जब हमारा देश चुनावी वर्ष में प्रवेश कर गया है और इससे पहले कि भाजपा अपनी चुनावी मशीनरी के जरिये देश को फिर से सम्मोहित करते हुए असल मुद्दों से दूर लेकर जाने की प्रक्रिया शुरू कर दे। आईए आंकलन करते हैं कि पिछले नौ वर्षो में नरेंद्र मोदी सरकार ने रोजगार, मज़दूरी, मज़दूरों और किसानों की आय जैसे हमारे जीवन के आधारभूत मुद्दों पर क्या नीतियां अपनाई हैं।देश में बेरोजगारी नई ऊंचाई पर पहुंच गई है। भारत में दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी है और भारत में युवाओं के बीच बेरोजगारी दर बहुत अधिक है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईई) के आंकड़ों के अनुसार देश में बेरोजगारी की दर 7.45 % तक पहुंच गई है।

सीएमआईई के अनुसार वर्ष 2017–22 के बीच कुल श्रम भागीदारी दर 46% से गिरकर 39.8 % हो गई है। हर वर्ष लाखों लोग काम की आयु में प्रवेश कर रहें हैं। लेकिन उनके लिए रोजगार नहीं है। इसके चलते बहुत से लोगों ने काम ढूंढना ही बंद कर दिया है।पिछले नौ वर्षो में सरकार की नीतियों ने रोजगार की मूल परिभाषा और चरित्र ही बदल दिया है। अब स्थाई रोजगार जिसमें आर्थिक, मानसिक और सामाजिक सुरक्षा शामिल थी, जिसमें पेंशन के माध्यम से बुढ़ापे की सुरक्षा भी शामिल थी, पुरानी बात हो गई है।

इसका सबसे बड़ा उदाहरण है अग्निपथ योजना। बहुत से नौजवानों के लिए सेना में भर्ती एक सपना है जिसमें वह देश की रक्षा की नौकरी करते हैं। और देश उनके और उनके परिवार के वर्तमान और भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित करता है। लेकिन अब अग्निपथ में सेना में चार साल की नौकरी उनके लिए पूरे जीवन को ही अग्निपथ में तब्दील कर देगी।

बेरोजगारी और आर्थिक मंदी के इस दौर में मनरेगा की ग्रामीण भारत में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है। लेकिन मोदी सरकार के कार्यकाल के हर वर्ष के बजट में यह साफ़ दिखता है कि यह मनरेगा के लक्ष्य को हासिल करने की जरुरत से कोसों दूर हैइस वर्ष (2023–24) के बजट में भी मनरेगा के लिए केवल 60,000 करोड़ रुपये आवंटित किये जबकि 2023 के लिए संशोधित अनुमान 89,400 करोड़ रुपये था। अगर हम गौर से देखें तो मनरेगा के लिए बजट लगातार कम हो रहा है। लॉकडाउन को मनमाने तरीके से लागू करने के कारण फसल कटाई और विपणन संकट के कारण किसानों के सभी वर्गों को आय का नुकसान हुआ है। नोटबंदी के समय से किसानों और खेत मज़दूरों को आय में भारी नुकसान हो रहा है और यह समस्या महामारी के कारण और बढ़ गई है।

खेती की बढ़ती लागत और गिरती आय ने किसानों को और अधिक कर्ज में धकेल दिया है। 2019 के सर्वेक्षण के अनुसार, 50 प्रतिशत कृषक परिवारों पर औसत बकाया ऋण 74,121 रुपये था। महामारी के दौरान ग्रामीण ऋणग्रस्तता और विनाश में और वृद्धि हुई है

देश में किसानों, खेत मज़दूरों और दैनिक मज़दूरों की आत्महत्याएं बदस्तूर जारी ही नहीं हैं। बल्कि इनमें वृद्धि हुई है। 'राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो' (एनसीआरबी) के आंकड़े के अनुसार पिछले 9 वर्षों में लगभग एक लाख किसानों ने आत्महत्या की हैं।

एफ.ए.ओ. के अनुमान के अनुसार, भारत में 22 करोड़ से अधिक लोगों को लगातार भूख का सामना करना पड़ रहा है और 2020 में 62 करोड़ लोगों को मध्यम से गंभीर खाद्य असुरक्षा का सामना करना पड़ा। वैश्विक संदर्भ में, अकेले भारत में लगातार भूख से पीड़ित लगभग एक तिहाई लोग और खाद्य असुरक्षा से जूझ रहे एक चौथाई लोग रहते हैं।

अपने नागरिकों को भाजपा सरकार न रोजगार मुहैया करवा पा रही है और न ही सबके लिए भोजन की व्यवस्था ही कर पा रही लेकिन देश के कॉर्पोरेट को मुनाफा कमाने में लगातार मदद कर रही है।

देश को मोदी जी ने एक सपना दिखाया था लेकिन पिछले नौ वर्षों में यह सपना केवल चकनाचूर ही नहीं हुआ बल्कि देश की जनता का सामना एक फासीवादी विचार की सरकार से हुआ है। जो देश की जनता की रोजी–रोटी के खिलाफ काम कर रही। कोई भी विकास बिना रोजगार सृजन के अधूरा है। यह विकास नहीं जनता का विनाश है। अपने अगले चरण में जाते हुए, मोदी जी से देश की जनता को क्या ही आशा हो सकती है। इसके लिए पिछले नौ वर्षों के अनुभव से हमने सीखा है की जनता को लामबंद होना होगा और इस तानाशाह भाजपा को देश की सरकार से बाहर करना होगा।

भारत के सबसे बड़े संवैधानिक संस्था का उद्घाटन था लेकिन उस पर धार्मिक रंग का चोला चढ़ा दिया गया

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

जिस तरह से साधु–संतों का जमावड़ा था वह किसी तरह से लोकतंत्र के मंदिर के उद्घाटन में शोभनीय नहीं था क्योंकि यह कोई धार्मिक आयोजन नहीं था ।

आज एक बार फिर बीजेपी ने यह साबित कर दिया कि बिना धर्म के सहारे वह स्वस्थ राजनीति नहीं कर सकती ! बीजेपी को इससे कोई सरोकार नहीं कि महंगाई आसमान छू रही है , बेरोजगारी बढ़ती जा रही है , राजकोषीय घाटा बढ़ गया है जिसके कारण ढरव'र बेची जा रही है .

भाजपा को मतलब है केवल धार्मिक उन्माद पैदा कर सत्ता सुख अर्जित करना इसलिए अब आम जनता को धर्म से ऊपर उठकर देश को देखने की जरूरत है कि बीजेपी हमारे भारत को कहां लेकर जा रही है .

मैं पूछना चाहता हूँ आप सभी से की जिस तरह से हमारी खिलाड़ी बहनो को सड़को पे बुरी तरह से पीटा गया क्या वो सही है ?

मैं पूछना चाहता हूँ आप सभी से की बृजभूषण जैसे यौन शोषण के आरोपी को सत्ता का संरक्षण मिलना सही है क्या ?

जिस तरह से भारत को फिर से कोलोनियल एरा में ले जाया जा रहा वो बिलकुल सही नहीं है इसलिए

आप सभी एकजुटता से इसके विरोध में आवाज उठाएं नहीं तो आने वाली पीढ़ी जब हमसे पूछेगी की जब देश बिक रहा था धर्म का सहारा लेकर तो आपने आवाज क्यों नहीं उठाया तो हमारे पास कोई जवाब नहीं होगा .

अब ये अमृतकाल है या विषकाल ये आप सभी को सोचना है ?

जय हिन्द

आपका भाई एवं शुभचिंतक
आदित्य पासवान
प्रदेश अध्यक्ष
बिहार प्रदेश कांग्रेस सेवादल यंग ब्रिगेड

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

राजस्थान के सह प्रभारी एआईसीसी सचिव वीरेंद्र सिंह राठौड़ राजस्थान धरोहर प्राधिकरण बोर्ड के अध्यक्ष राज्यमंत्री एवं पीसीसी द्वारा नियुक्त समन्यवयक सुरेंद्र सिंह जाड़ावत ने आज उदयपुर शहर एवं देहात जिला कांग्रेस कमेटी की संयुक्त बैठक नगर निगम टाउन हॉल में कांग्रेस जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओ से फीडबैक लेकर बैठक को संबोधित किया कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री गिरिजा व्यास पीसीसी सेकेट्री विशाल जांगिड़ जिला अध्यक्ष देहात लालसिंह झाला शहर अध्यक्ष गोपाल कृष्ण व्यास इंटक नेता जगदीशराज श्रीमाली पूर्व मंत्री मांगीलाल गरासिया पूर्व विधायक पुष्कर डांगी त्रिलोक पुर्बिया बसंती देवी निर्मला देवी भीम सिंह चुंडावत सहित अन्य कांग्रेस जनप्रतिनिधिगण के साथ बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। चितौड़गढ़ से पूर्व जिला प्रवक्ता महेंद्र शर्मा शहर प्रवक्ता नवरतन जीनगर साथ रहे।

कांधला में कांग्रेस को मजबूत करने के लिए वार्ता की : दीपक सैनी

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

शामली ज़िला कांग्रेस कमेटी ने कांधला में जाहिद यामिन वरिष्ठ कांग्रेसी के निवास पर कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ बैठकर कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने के लिए एक बैठक आयोजित की गई । कांग्रेस की बैठक में दीपक सैनी कांग्रेस जिलाध्यक्ष शामली ने कहा की कांग्रेस पार्टी ने भारत देश के लिए जितना काम किया है उसकी तारीफ़ जितनी करें उतनी कम है। कभी भारत देश में शुई तक नहीं बनती थी और आज भारत में हर चीज़ की व्यवस्था कायम की है जो कांग्रेस की देन है । मगर आज भारत देश में भाजपा सरकार में बैठकर वे लोग संपत्ति बेच रहे हैं। यही लोग जो डोल पीटकर कहते हैं कि कांग्रेस ने कुछ नहीं किया । प्रधानमंत्री जी जीस दिन नई सांसद का उदघाटन कर रहे थे। उसी समय भारत देश को गोल्ड मेडल जीता कर भारत देश को सम्मान दिलाने वाली बेटियों पर लाठीचार्ज किया जा रहा था। 28/5/2023 का दिन काला दिवस के रूप में मनाया जाएगा। यह बेटियों जो सच्चाई की आवाज उठाने के लिए आगे बढ़ रही थी महिला खिलाडियों के साथ खींचातानी करवाई गई है प्रधानमंत्री जी की पुलिस द्वारा। ब्रजभूषण शरण सिंह भाजपा सांसद का कुछ नहीं कर पा रही है भारत सरकार क्योंकि भारत देश के प्रधानमंत्री जी से भी बड़ी ताक़त वर है ब्रजभूषण शरण सिंह सांसद। अगर इस स्थिति में आप

आदमी होता तो पुलिस प्रशासन सबसे पहले गिरफ्तार किया जाता जांच पड़ताल बाद में होती रहती।

भारत देश से लोकतंत्र ,न्याय पालिका,से बिल्कुल विश्वास उठ गया है जनता का जो सत्ताधारी कहते हैं वो किया जा रहा है। प्रधानमंत्री जी ने नारीशक्ति के लिए एक बहुत बड़ा नारा दिया था बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ मगर यहां नारा सबसे बड़ा झूठ साबित हुआ है नाराशक्ति पर ही ज्यादा अत्याचार हो रहा है जिससे सबसे ज्यादा भाजपा के नेता ही कर रहे हैं। मंहगाई की बात करें तो आसमान को छू रही है। किसान का गन्ना का भुगतान नहीं किया जा रहा है। व्यापारियों की स्थिति भी बहुत ख़राब हो चुकी है। निशांत तोमर जिलाध्यक्ष युवा कांग्रेस ने कहा कि GST की मार सरकार ने ही दे रखी है यह बोझ भी जनता पर भी पड़ रहा है मजदूर की हालत गंभीर बनी हुई है परिवार का खर्च नहीं उठा पा रहे हैं सरकार सिर्फ अपनी कुर्सी के डंडे को टुटने को बचाने के चक्कर में पड़ी रहती है। ओर एक सबसे बड़ा सवाल यह भी है जहा सरकार कांग्रेस की प्रचंड जीत पर बनती है। वहां ख़रीद फ्खोर का सडयत्र रचाने का गन्दा काम किया जाता है। भाजपा सिर्फ तानाशाही ही करने में सबसे आगे रहती है। अभी जल्दी ही भाजपा को छोड़कर कांग्रेस का हाथ थामने वाले हैं क्योंकि सभी पीड़ित हो चुके हैं। बैठक में दीपक सैनी कांग्रेस जिलाध्यक्ष शामली , निशांत तोमर जिलाध्यक्ष युवा कांग्रेस, अश्वनी शर्मा प्रदेश महासचिव, जाहिद यामिन वरिष्ठ कांग्रेसी, डाक्टर नफीस तयब खान वरिष्ठ कांग्रेसी, अब्बासी,राजू सैनी, शाहरुख कांधला, आदेश कश्यप प्रदेश महासचिव, महावीर सैनी वरिष्ठ कांग्रेसी, रिजवान अहमद, अरविंद कश्यप, अमित कटारिया, अरुण बंसल, साजिद खान, खुर्शीद, फिरोज, ऐसान ,आलम कांधला, सादिक, रामशरण सैनी, अनिल चौधरी, सुशील पांचाल, प्रमोद सैनी, मोतीलाल, प्रकाश सैनी आदि मौजूद रहे